

BY-304

Methods of Complementary Therapy-1

(पूरक चिकित्सा पद्धतियाँ-1)

Bachelor of Yoga & Naturopathy (BYN-12/16)

Third Year, Examination, 2018

Time : 3 Hours

Max. Marks : 80

Note : This paper is of **eighty (80)** marks containing **three (03)** Sections A, B and C. Learners are required to attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Section-A / खण्ड-क

(Long Answer Type Questions) / (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

Note : Section 'A' contains four (04) long answer type questions of nineteen (19) marks each. Learners are required to answer *two* (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं।
प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं।
शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain the different types of complementary therapy.
विभिन्न प्रकार की पूरक चिकित्सा पद्धतियाँ का वर्णन कीजिए।
2. Explain the meaning, definitions and history of Accupressure.
एक्यूप्रेशर का अर्थ, परिभाषा एवं इतिहास समझाइए।
3. Explain the concept of Prana therapy in detail.
प्राण चिकित्सा की अवधारणा को विस्तार से समझाइए।
4. Explain the history and benefits of Reiki Therapy.
रेकी चिकित्सा का इतिहास एवं लाभों का वर्णन कीजिए।

Section-B / खण्ड-ख

(Short Answer Type Questions) / (लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Section 'B' contains eight (08) short answer type questions of eight (08) marks each. Learners are required to answer *four* (04) questions only.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं।
प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं।
शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Write the meaning of Complementary Therapy.
पूरक चिकित्सा का अर्थ लिखिए।

2. Write the limitations of Accupressure.
एक्यूप्रेशर की सावधानियाँ लिखिए।
3. Write the principles of Accupunture.
एक्यूपंकचर के सिद्धान्त लिखिए।
4. Clarify the concept of Manget Therapy.
चुम्बक चिकित्सा की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
5. Write the method of Reki Therapy.
रेकी चिकित्सा की विधि लिखिए।
6. Write the importance of Chakras in Prana Therapy.
प्राण चिकित्सा में चक्रों के महत्व को लिखिए।
7. Explain the limitations of Prana Therapy.
प्राण चिकित्सा की सावधानियाँ बताइये।
8. Explain the types of Prana.
प्राण के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

Section–C / खण्ड–ग

(Objective Type Questions) / (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

Note : Section ‘C’ contains ten (10) objective type questions of one (01) mark each. All the questions of this Section are compulsory.

नोट : खण्ड ‘ग’ में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Answer in one word :

एक शब्द में उत्तर दीजिए :

1. Write the name of any *two* Pranas.
किन्हीं दो प्राणों के नाम लिखिए।

2. What is Magnetometer ?
मैग्नेटोमीटर क्या है ?
3. What is the Reflex Centre ?
प्रतिबिम्ब केन्द्र क्या है ?
4. Meaning of 'SU' in 'SUJOK'.
'सुजोक' में 'सु' का अर्थ है।
5. Write any *two* names of Accupressure's equipments.
एक्यूप्रेशर के किन्हीं दो उपकरणों के नाम लिखिए।
6. How many types of Uppranas are there ?
उपप्राण के कितने प्रकार हैं ?
7. Write a name of Chakra who has Energy Centre.
ऊर्जा केन्द्र के चक्र का नाम लिखिए।
8. Write any *one* name of the complementary therapy.
किसी एक पूरक चिकित्सा का नाम लिखिए।
9. How many poles are in Magnet ?
चुम्बक में कितने ध्रुव होते हैं ?
10. What is the meaning of Jok in Sujok ?
सुजोक में जोक का क्या अर्थ है ?